

समय: 03 घण्टा

पूर्णाङ्क: 70

नोट: प्रश्नपत्र ए एवं बी दो खण्डों में विभक्त है। प्रत्येक खण्ड निर्देशानुसार हल करना अनिवार्य है।

खण्ड - ए

(लघु उत्तरीय प्रश्न)

नोट: किन्हीं 05 प्रश्नों का उत्तर दें। प्रत्येक प्रश्न 06 अंक का है।

प्रश्न 1. निम्न श्लोक की व्याख्या कीजिए-

मूर्खशिष्योपदेशेन दुष्टा स्त्री भरणेन च ।

दुःखितैः सम्प्रयोगेण पण्डितोऽप्यवसीदति ॥

प्रश्न 2. निम्न श्लोक की व्याख्या कीजिए-

यस्मिन् देशे न सम्मानो न वृत्तिर्न च बान्धवाः ।

न च विद्यागमोऽप्यस्ति वासं तत्र न कारयेत् ॥

प्रश्न 3. निम्न श्लोक की व्याख्या कीजिए-

ते पुत्रा ये पितुर्भक्ताः स पिता यस्तु पोषकः ।

तन्मित्रं यत्र विश्वासः सा भार्या यत्र निर्वृतिः ॥

प्रश्न 4. निम्न श्लोक की व्याख्या कीजिए-

कष्टं च खलु मूर्खत्वं कष्टं च खलु यौवनम् ।

कष्टात् कष्टतरं चैव परगेहनिवासनम् ॥

प्रश्न 5. निम्न श्लोक की व्याख्या कीजिए-

अनभ्यासे विषं विद्या अजीर्णे भोजनं विषम् ।

विषं सभा दरिद्रस्य वृद्धस्य तरुणी विषम् ॥

प्रश्न 6. निम्न श्लोक की व्याख्या कीजिए-

काचः काञ्चनसंसर्गाद्वत्ते मारकतीं द्युतिम् ।

तथा सत्सन्निधानेन मूर्खों याति प्रवीणताम् ॥

प्रश्न 7. निम्न श्लोक की व्याख्या कीजिए-

दातव्यमिति यद्वानं दीयतेऽनुपकारिणे ।

देशे काले च पात्रे च तद्वानं सात्त्विकं स्मृतम् ॥

प्रश्न 8. निम्न श्लोक की व्याख्या कीजिए-

मातृवत् परदरेषु परद्रव्येषु लोष्टवत् ।

आत्मवत् सर्वभूतेषु यः पश्यति स पण्डितः ॥

प्रश्न 9. हितोपदेश के अनुसार सत्संगति का महत्व प्रतिपादित कीजिए।

प्रश्न 10. चाणक्यनीति के अनुसार स्त्रियों की शक्ति तथा दोषों का उल्लेख कीजिए।

**खण्ड - बी**  
**(दीर्घ उत्तरीय प्रश्न)**

**नोट:** किन्हीं 04 प्रश्नों का उत्तर दें। प्रत्येक प्रश्न दस अंक का है।

प्रश्न 1. वर्तमान में चाणक्यनीति के उपदेशों की उपादेयता स्पष्ट कीजिए।

प्रश्न 2. हितोपदेश की प्रथम कहानी का सार लिखिए।

प्रश्न 3. नीतिकाव्य के विकास क्रम को लिखिए।

प्रश्न 4. महाकवि बाणभट्ट की कृतियों का परिचय दीजिए।

प्रश्न 5. कवि सुबन्धु का जीवन परिचय लिखिए।

प्रश्न 6. उपन्यासकार के रूप में कवि अम्बिकादत्त का मूल्याङ्कन कीजिए।

प्रश्न 7. हितोपदेश के अनुसार धर्म के अष्टविध मार्गों की समीक्षा कीजिए।

प्रश्न 8. नीतिकाव्यों में पञ्चतन्त्र का स्थान निरूपित कीजिए।